



पाठ-दो

ज़ार की बेटी और अज़गर

पुराने समय की बात है। रूस के शहर कोयेव में एक बार कहीं से एक अज़गर आ निकला। उसने वहाँ के हर परिवार से कर के रूप में प्रतिदिन एक-एक सुन्दरी कुमारी को खाने के लिए बारी-बारी से वसूल किया। इस प्रकार वह हर दिन एक-एक सुन्दर कुमारी को खाकर आराम से रहा। ऐसा करते-करते एक बार ज़ार की खूबसूरत बेटी की बारी आई। ज़ार की बेटी अज़गर के पास पहुँची। उसकी सुन्दरता को देखकर अज़गर ने उसे खाना नहीं चाहा बल्कि उसे अपनी पत्नी बनाना चाहा। अज़गर ने ज़ार की बेटी को नहीं खाया और उसे अपने थहाँ सुरक्षित रखा। अज़गर ने उसे अपनी पत्नी बनाने का प्रस्ताव रखा तो उस कुमारी ने अज़गर की बातों को किसी भी बहाने से टाले रखा।

ज़ार की बेटी ने एक कुत्ता पाल रखा। उसने कुत्ते को बहुत प्यार से खिलाया और पिलाया। कुत्ता भी सदा अपनी मालिकन के पास से एक क्षण भी कहीं नहीं जाता था। वह हर समय अपनी मालिकन की देख-रेख और भलाई के काम में लगा रहता था। ज़ार की बेटी ने एक पत्र लिखा। वह पत्र उस कुत्ते के जरिए अपने माँ-बाप के पास पहुँचा दिया। पत्र पाते ही ज़ार को सब कुछ पता चल गया। उसने योजनाएँ बनाई और आदेश दिया – “अपने देश के शक्तिशाली और ताकतवर पुरुष राज सभा में हाजिर हो जाय।”

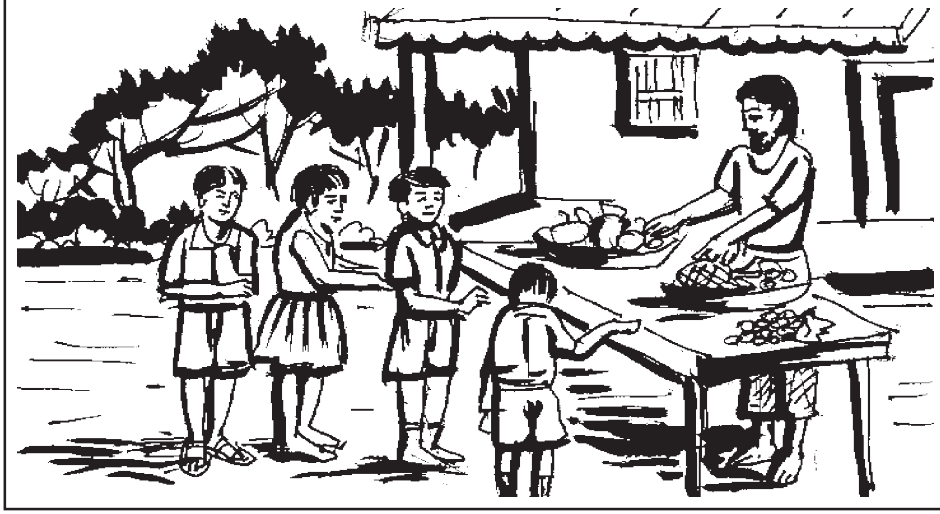
अज़गर ने ज़ार की बेटी को बहुत सुरक्षित रखा था। जब कभी वह बाहर जाता तो अपनी खोह के मुँह को लट्ठों से बन्द करके जाता था ताकि ज़ार की पुत्री वहाँ से कहीं भाग न जाए।



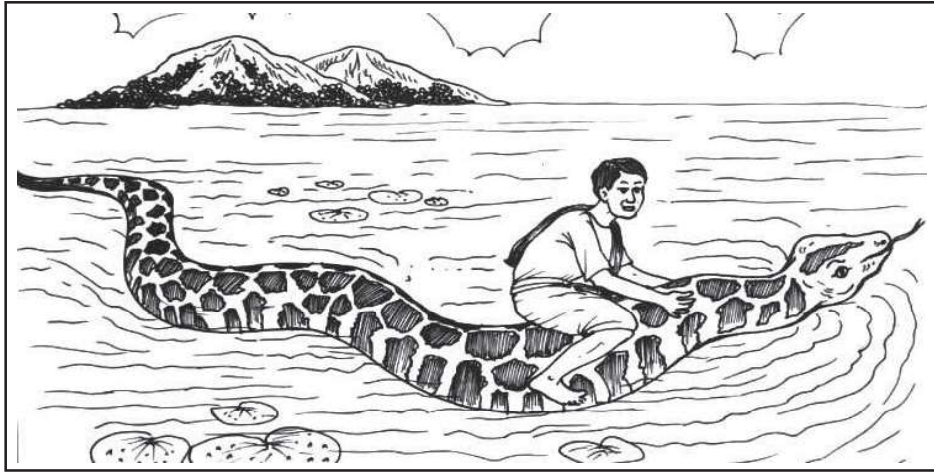
मनुष्य की बुद्धि सब प्राणियों में सब से तेज मानी जाती है। ज़ार-पुत्री ने अज़गर के साथ चाहत का नाटक खेला। उसने उससे अधिक ताकतवर प्राणी का पता लगाया। ऐसा करते करते अन्त में ज़ार-पुत्री ने अज़गर की मृत्यु का रहस्य भी जान लिया। अज़गर ने ज़ार-पुत्री को बताया— “कोयेव में निकीता नाम का एक खटिक रहता है। वह बहुत ताकतवर है। उसकी ताकत मेरी ताकत से अधिक है; उसके हाथों मेरी मृत्यु लिखी है।”

ज़ार की पुत्री ने अज़गर की मृत्यु के रहस्य की खबर अपने माँ-बाप को दी। उसके माँ-बाप ने निकीता खटिक के पास जाकर सारी बातें कहीं। उन्होंने अपनी बेटी को अज़गर से बचाने के लिए निकीता से अनुरोध किया और उसे उस काम के लिए मुँह माँगा दाम देने को भी कहा। निकीता बहुत क्रोधित हुआ और उस काम को करने से इन्कार किया। ज़ार निरुपाय हुआ।

कुछ दिनों के बाद ज़ार ने निकीता के पास अनाथ बच्चों को भेजा। आँसू भरे अनाथ बच्चों को देखकर उसके मन में दया आ गई। वह काम करने में निकीता स्वीकार हो गया और अज़गर के पास जाने के लिए तैयार हो गया।



निकीता ने अज़गर की खोह में जाकर युद्ध के लिए अज़गर के ललकारा। उसकी ललकार सुनकर अज़गर खोह के बाहर निकला। उन दोनों के बीच काफी देर तक भयानक द्वंद्व होता रहा। आखिर अज़गर हार गया। उन दोनों में क्षेत्र बाँटने का करार हुआ। निकीता ने लकड़ी का एक भारी हल लेकर कोयेव से कस्पीयन सागर तक एक रेखा खींची। उन दोनों के बीच जमीन के बँटवारा होने के बाद निकीता ने अज़गर से फिर कहा – “ हम दोनों के बीच जमीन का बँटवारा तो हो गया, अब सागर का भी बँटवारा होना चाहिए।” निकीता की बात अज़गर ने स्वीकार की।



निकीता अजगर के पीठ पर बैठकर सागर के बीच आ गया। उसने अपनी तलवार से अजगर पर वार किया और उसके टुकड़े-टुकड़े कर दिए। इस प्रकार अजगर का अन्त हो गया। ज़ार की बेटी अजगर से बच गई। वह अपने माँ-बाप के साथ फिर आराम से रहने लगी।

कठिन शब्दों के अर्थ—

ज़ार	=	रूस देश के राजधिराज की पदवी
कर	=	टैक्स, महसूल।
बारी	=	पारी/पाली।
वसूल किया	=	उगाहा हुआ, प्राप्त हुआ।
बहाने से	=	अवास्तविक बात से, मिथ्या से।
टाल रखा	=	स्थगित कर दिया।
जरिए	=	साधन।
चाहत	=	चाह, प्रेम।
खटिक	=	फलबिक्री, सुअर और कुक्कुट पालने का काम करनेवाला।
निरुपाय	=	उपायहीन।
ललकार	=	चुनौती।
द्वंद्व	=	लड़ाई-झगड़ा।
करार	=	निश्चित करने का भाव, प्रतिज्ञा, ठहराव।
बँटवारा	=	बाँटने का काम।
वार	=	आघात, प्रहार।

प्रश्न-अभ्यास

1. अजगर ने जार की पुत्री को क्यों नहीं खाया ?
2. जार की बेटी ने पत्र अपने माँ-बाप तक कैसे पहुँचाया और जार ने क्या किया ?
3. जार की पुत्री ने अजगर की मृत्यु होने का रहस्य कैसे जाना और वह रहस्य क्या था ?
4. अजगर को किसने मारा और क्यों ?
5. अजगर की मृत्यु कैसे हुई ?
6. 'जार की बेटी और अजगर' पाठ का सारांश लिखिए।
7. 'जार' के सम्बन्ध में अपने अध्यापक से विशेष जानकारी प्राप्त करके उसके बारे में पाँच वाक्य लिखिए।
8. जार की पुत्री के बारे में आपके क्या विचार हैं ? लिखिए।
9. इस पाठ से आपको क्या शिक्षा मिलती है ?
10. क्या आप सहमत हैं कि जार की बेटी एक कुशल और साहसी नारी थी ?

* * * * *